भारत सरकार
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *248
जिसका उत्तर 12.12.2024 को दिया जाना है

सुरंगों का निर्माण

*248. कैप्टन बृजेश चौटा:
श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) आगामी वर्षों में विशेषतः महाराष्ट्र के पालघर सहित राज्य-वार, देश भर में कुल कितनी सुरंगों का निर्माण करने की योजना है तथा उनकी कुल लम्बाई और अनुमानित लागत कितनी है;
(ख) पूर्ण हो चुकी और वर्तमान में निर्माणाधीन सुरंग परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;
(ग) विशेषत: देश के पहाड़ी क्षेत्रों में, कनेक्टिविटी में सुधार और यात्रा के समय को कम करने में सुरंगों की क्या भूमिका है;
(घ) क्या यात्रा संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार की मैंगलोर और बैंगलोर के बीच शिरडी घाट सेक्शन को बाईपास करने के लिए एक सुरंग सड़क बनाने की कोई योजना है, और
(ङ) यदि हां, तो व्यवहार्यता अध्ययन की स्थिति, समय-सीमा और बजट आवंटन सहित प्रस्तावित परियोजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ङ) एक विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

"सुरंगों का निर्माण" के संबंध में कैप्टन बृजेश चौटा और श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल द्वारा पूछे गए दिनांक 12.12.2024 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *248 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) और (ख) देश में राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास और रखरखाव के लिए मुख्य रूप से केंद्र सरकार उत्तरदायी है। आज तक, 27 परियोजनाओं में 60.37 किलोमीटर लंबाई वाली 42 सुरंगों का निर्माण पूरा हो चुका है और देश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर 37 परियोजनाओं में 93.96 किलोमीटर लंबाई वाली 57 सुरंगों का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अतिरिक्त, 1,962 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 3 परियोजनाओं में 9.68 किलोमीटर लंबाई वाली 3 सुरंगों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। वधावन पोर्ट कनेक्टिविटी परियोजना के हिस्से के रूप में महाराष्ट्र के पालघर जिले में एनएच-248एस पर 0.8 किलोमीटर लंबी एक सुरंग परियोजना तैयारी चरण में है। एनएच पर निर्माण के लिए स्वीकृत सुरंगों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) वार विवरण नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	सुरंगों की संख्या	लंबाई (किमी)	अनुमानित लागत (करोड़ रुपए में)
1	आंध्र प्रदेश	1	3.68	700
2	हिमाचल प्रदेश	1	3.5	700
3	मिजोरम	1	2.5	562

इसके अलावा, महाराष्ट्र में 4501 करोड़ रुपये की लागत वाली एक 6-लेन परियोजना, जिसमें दो सुरंगों का निर्माण शामिल है और जिसकी कुल लंबाई 3.47 किलोमीटर है, को सार्वजनिक निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति (पीपीपीएसी) द्वारा अनुमोदित किया गया है।

(ग) राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरंगों का निर्माण बर्फ से घिरे क्षेत्रों, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों, जल निकायों के नीचे से गुजरने या भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों आदि से गुजरने से बचने के लिए किया जाता है। सड़क सुरंग का मूल उद्देश्य दुर्गम इलाकों में सड़क यातायात के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करना है। सुरंगें कनेक्टिविटी बढ़ाने और यात्रा के समय को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, खासकर देश के पहाड़ी क्षेत्रों में जोखिम भरे पहाड़ी दर्रों के लिए एक सुरक्षित विकल्प प्रदान करके, जिसके परिणामस्वरूप वाहन संचालन लागत कम होती है और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम होता है। सुरंगों पर अत्यधिक बर्फबारी या कोहरे जैसे प्रतिकूल मौसम का कम असर पड़ता है, जिससे पहाड़ी इलाकों में वर्ष भर अधिक विश्वसनीय यात्रा सुनिश्चित होती है।

(घ) और (ड.) सुरंगों सहित एनएच-75 के शिरडी घाट खंड में ग्रीनफील्ड संरेखण के निर्माण के लिए संरेरखण विकल्प अध्ययन, व्यवहार्यता अध्ययन, लागत अनुमान, निर्माण अवधि का आकलन, निर्माण-पूर्व गतिविधियों के लिए आधारभूत कार्य आदि सहित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का काम सौंपा गया है। डीपीआर के परिणाम, निधियों की उपलब्धता और परस्पर प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कार्य शुरू किया जा सकता है।

*****